भारत सरकार
पेट्रो लयम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

लोक सभा
अतारां कत प्रश्न सं0 **3608**
दिनांक **15** जुलाई**,** 2019

एचपीसीएल बायो-फ्यूल्स ल मटेड

3608. डॉ॰ सुकान्त मजूमदारः
श्री खगेन मुर्मुः
श्री वनोद कुमार सोनकरः
श्री राजा अमरेश्वर नाईकः

क्या पेट्रो लयम और प्राकृतिक गैस मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कः

(क) क्या हिन्दुस्तान पेट्रो लयम कॉर्पोरेशन ल मटेड (एचपीसीएल) अपनी सहायक कंपनी एचपीसीएल बायोफ्यूल्स ल मटेड (एचबीएल) के माध्यम से समे कत संयंत्रों का संचालन करती है;

(ख) यदि हां, तो क्या चालू पराई सत्र के दौरान उक्त संयंत्र पर अपने ग्राहकों को एक बड़ी रा श देना बकाया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और निर्दिष्ट अव ध के भीतर बकाए के भुगतान हेतु सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए/उठाए जा रहे हैं;

(ग) वगत तीन वर्षों के दौरान एचबीएल के उत्पादन (चीनी, इथेनॉल और वद्युत) तथा लाभ का वर्ष-वार ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या उक्त संयंत्र द्वारा चालान जारी करने में भाई-भतीजावाद और कालाबजारी जैसे कदाचार सू चत कए गए हैं और यदि हां, तो संयंत्र के कार्यकरण की समीक्षा का ब्यौरा क्या है और इस संबंध में क्या उपचारात्मक कार्यवाही की गई है; और

(ङ) क्या इस संयंत्र द्वारा उत्सर्जित धुएं से प्रदूषण और मानव-स्वास्थ्य संकट उत्पन्न हो रहा है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस पर क्या कार्यवाही की गई है तथा संयंत्र के कार्यकरण की समीक्षा हेतु सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर
पेट्रो लयम और प्राकृतिक गैस मंत्री
(श्री धर्मेन्द्र प्रधान)

(क): हिन्दुस्तान पेट्रो लयम कार्पोरेशन ल0 (एचपीसीएल), अपनी पूर्ण स्वा मत्व वाली कंपनी एचबीसीएल बायो फ्यूल्स ल0 (एचपीएल) के जरिए बिहार के पूर्वी और पश्चिमी चंपारण जिलों में सुगौली तथा लौरिया में स्थति दो एकीकृत चीनी, एथेनॉल और सह-उत्पाद संयंत्रों का प्रचालन कर रही है।

(ख): एचबीएल द्वारा दी गई सूचना के अनुसार, वर्ष 2017-18 पेराई मौसम तक अर्जित कए गए गन्ने के लए कोई भुगतान बकाया नहीं है।

(ग): पछले तीन वर्षों के दौरान एचबीएल द्वारा कए गए उत्पादन (चीनी, एथेनॉल और वद्युत) और लाभ/हानि के एचबीएल द्वारा यथा उपलब्ध कराए गए ब्यौरे नीचे दिए गए हैं:

उत्पादन	वत्त वर्ष 2016-17	वत्त वर्ष 2017-18	वत्त वर्ष 2018-19
चीनी	55,333 एमटी	63,870 एमटी	68,124 एमटी
एथेनॉल	10,082 क0 ल0	7,025 क0ली0	8,558 क0ली0
वद्युत	67,383 क0 वाट	79,085 क0वाट	73,595 क0वाट
लाभ/हानि	3038 लाख रुपए (हानि)	7789 लाख रुपए (हानि)	6766 लाख रुपए (हानि)

(घ): एचबीएल ने बताया है क वर्तमान में कोई पक्षपात तथा कालाबाजारी नहीं हो रही है। तथा प, गन्ना पेराई मौसम 2017-18 में चालान जारी करने और इसके साथ-साथ बाहरी गन्ना वाले क्षेत्रों से गन्ने की अ धप्राप्ति के कदाचारों की सूचना मली थी। प्राप्त आरोपों/शकायतों और इसके साथ-साथ कदाचारों/चूकों के सद्ध मामलों के संबंध में निर्धारित प्र क्रया के अनुसार उपयुक्त कार्रवाई की जाती है। एचबीएल ने गन्ना अ धप्राप्ति की प्र क्रया को और अ धक पारदर्शी तथा सुदृढ़ बनाने के लए कई उपाय कए हैं, इन उपायों में निम्न ल खत उपाय शा मल हैं:

(i) जीपीएस लगा हुआ हाथ में लेकर चलने वाला ट र्मनल उपकरण के माध्यम से कृ ष भू म पर जाकर गन्ने की खेती के व्यापक ब्यौरे प्राप्त करना और उन्हें सत्या पत करना।

(ii) नई प्रौद्यो ग कयों को अपनाना जैसे क गन्ने की अ धप्राप्ति के लए वाहनों में जीपीएस लगाना।

(ड.): एचबीएल में, 20 मेगावाट क्षमता का गन्ने की खोई आधारित सह उत्पादन संयंत्र धुंऐं के सृजन का एक मात्र स्रोत है। तथा प, धुंऐं में बगैर जले हुए ईंधन को जाने से रोकने के लए इसमें अत्याधुनिक प्रदूषण नियंत्रण उपकरण अर्थात इलैक्ट्रो स्टेटिक प्रेसीपीटेटर लगाया गया है। इसके अलावा, एचबीएल में धुंऐं की निकासी के लए 72 मीटर ऊंची चमनी लगाई गई है।

****